field restructuring the cadres to improve motivation and initiative of staff, upgrading their skill to new technology requirement and making administrative set-up more responsive and competitive. The competition and upgradation of skill and equipment coupled with administrative set up changes are likely to improve the efficiency of telecommunications sector and cut the delays and costs.

Complaints against the misuse of Telephone Lines

82. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the general complaints from subscribers against the misuse of their telephone lines by unscrupulous persons for making S.T.D calls;

(b) if so, whether Government have enquired into the matter and identified the reasons thereof; and

(c) what are the details of the action taken to check such malpractices?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The following actions are taken to check the malpractices:—

(i) Providing details bill to the subscribers connected to electronic exchanges.

(ii) The diversion of lines is made impossible by providing dynamic STD control in electronic exchanges. This enables the subscriber to set a secret code in the exchange which alone can permit STD calls.

(iii) The vigilance units of the department carry out preventive checks.

(iv) The Indian Telegraph Act is also being amended to provide for stringent punishment to those who carry out such diversion of lines.

दिल्ली और मुम्बई के लिये दूरभाष-निर्देशिकाओं का निर्माण

83. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महानगर टेलीफ़ोन निगम दिल्ली तथा मुम्बई ने गत तीन वर्षों के दौरान कोई नयी दूरभाष निर्देशिकाएं नहीं बनायी हैं,

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि वर्तमान दूरभाष-निर्देशिकाओं के प्रकाशन के बाद से लाखों नये दूरभाष कनेक्शन दिये गये हैं लेकिन उन्हें किसी नई अनुपूरक निर्देशिका में शामिल नहीं किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो जनता को कब तक पूर्ण दूरभाष निर्देशिका उपलब्ध करा दी जायेगी?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) जी, नहीं, दिल्ली टेलीफ़ोन की मुख्य डायरेक्ट्री अगस्त, 1989 में और पूरक डायरेक्ट्री अगस्त, 1990 में सप्लाई की गई थी। जहां तक बम्बई टेलीफोन डायरेक्ट्री का संबंध है, मुख्य डायरेक्ट्री अगस्त, 1989 में प्रकाशित की गई थी और वितरित की गई थी। इसके बाद 1988 में नम्बर परिवर्तन पूरक सं० 1 प्रकाशित की गई और जनवरी, 1989 में वितरित की गई। तत्पश्चात् 1.5.89 तक अद्यतन की गई वर्णानुक्रमिक पूरक डायरेक्ट्री नवम्बर, 1989 में प्रकाशित और वितरित की गई और तद्नंतर 10 दिसम्बर, 1990 तक अद्यतन की गई वर्णानुक्रमिक पूरक सं० 11 मार्च, 1991 में प्रकाशित की गई।

(ख) विलम्ब का मुख्य कारण ठेकेदार द्वारा डायरेक्ट्रियों की आपूर्ति न किया जाना है। वास्तव में, कम्पनी को कागज तथा अन्य सामग्री और मजदूरी में वृद्धि के परिणामतः बड़े पैमाने पर हुए घाटे के कारण वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

(ग) जी, नहीं। पिछले 3 वर्षों के दौरान प्रदान किए गए नए टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या इस प्रकार है:—

	दिल्ली	बम्बई
1988-89	26352	50024
1989-90	36393	56317
1990-91	62009	46260

(घ) बम्बई टेलीफोन डायरेक्ट्री का वितरण 15.3.92 तक पूरा होने की संभावना है। आशा है कि दिल्ली टेलीफोन डायरेक्ट्री, मार्च, 92 के अन्तिम सप्ताह में वितरण के लिए उपलब्ध हो जाएगी और 15.4.92 तक वितरित कर दी जाएगी।